

**धर्मपत्नी स्त्री.** (तत्.) धर्मशास्त्र में निर्दिष्ट रीति से व्याहता स्त्री, धर्मानुसार विवाहिता स्त्री।

**धर्मपत्र पुं.** (तत्.) गूलर, जिसके पत्र आदि यज्ञादि धर्मकार्यों में प्रयुक्त होते हैं।

**धर्म-पट्ट पुं.** (तत्.) राजा, शासन, अधिकारी या धर्माधिकारी की ओर से दिया गया व्यवस्था पत्र।

**धर्म-पथ पुं.** (तत्.) धर्म का मार्ग, नैतिक मार्ग उदा. असंख्य कठिनाइयों में भी धर्मपथ का त्याग नहीं करना चाहिए।

**धर्मपरिषद् स्त्री.** (तत्.) न्याय करने वाली सभा, धर्म-सभा।

**धर्मपरायण वि.** (तत्.) धर्म द्वारा निर्दिष्ट ढंग से काम करने वाला, धर्मानुयायी प्रयो. मेरे पिताजी बहुत ही धर्मपरायण व्यक्ति हैं।

**धर्मपिता पुं.** (तत्.) जन्मदाता पिता से भिन्न व्यक्ति जो किसी का पिता या संरक्षक बन गया हो।

**धर्मपीठ पुं.** (तत्.) 1. धर्म का प्रधान स्थान 2. वह स्थान जहाँ से धर्म संबंधी व्यवस्था प्राप्त होती हो 3. काशी का एक नाम।

**धर्म-पीड़ा स्त्री.** (तत्.) 1. धर्म या न्याय का उल्लंघन 2. अपराध।

**धर्मपुत्र पुं.** (तत्.) 1. युधिष्ठिर 2. नर-नारायण 3. जिसे धार्मिक रीति या विधान से धर्म को साक्षी रखकर पुत्र बनाया गया हो।

**धर्मपुरी स्त्री.** (तत्.) 1. यमपुरी जहाँ हिंदू विश्वास के अनुसार माना जाता है कि शरीर छूटने के बाद प्राणियों के किए हुए धर्म और अधर्म का विचार होता है 2. कचहरी, न्यायालय।

**धर्मप्रतिरूपक पुं.** (तत्.) मनु के अनुसार ऐसा दान, जो अपने सगे-संबंधियों, कुटुंब आदि के दीन-दुःखी रहते हुए भी केवल नाम या यश कमाने की इच्छा से दूसरों को दिया जाये (ऐसा दान निंदनीय माना गया है, उसे धर्म नहीं धर्म का प्रतिरूपक (नकल) माना गया है)।

**धर्मप्रधान वि.** (तत्.) जिसमें धर्म मुख्य हो या निर्दिष्ट हो प्रयो. काशी एक धर्मप्रधान नगरी है।

**धर्मप्रभास पुं.** (तत्.) महात्मा बुद्ध।

**धर्मप्रवक्ता पुं.** (तत्.) 1. धर्म का व्याख्याता 2. धर्म का अध्यापक प्रयो. निजी लाभ के लिए गली-गली में आज लोग धर्मप्रवक्ता बनकर उभर रहे हैं।

**धर्मप्रवचन पुं.** (तत्.) 1. धर्म संबंधी व्याख्यान प्रयो. पार्क में स्वामी जी का धर्म प्रवचन चल रहा था 2. बुद्धदेव 3. धर्म की व्यवस्था या कर्तव्यशास्त्र।

**धर्मबल पुं.** (तत्.) धर्म के आचरण का बल प्रयो. अपने धर्मबल से राजा हरीशचंद्र ने अपनी प्रजा का मन मोह लिया था।

**धर्मबाह्य वि.** (तत्.) धर्म से बाहर, धर्म के विरुद्ध।

**धर्मबुद्धि स्त्री.** (तत्.) धर्म-अधर्म का विवेक, धर्म की ओर प्रवृत्त बुद्धि वि. 1. धर्मानुकूल आचरण करने वाला 2. उचित-अनुचित का विचार करने वाला।

**धर्मभगिनी स्त्री.** (तत्.) 1. वह स्त्री जो धर्म को साक्षी मान कर बहन बनाई गई हो 2. गुरु-कन्या।

**धर्मभागिनी स्त्री.** (तत्.) धर्मपत्नी।

**धर्मभाणक पुं.** (तत्.) कथावाचक।

**धर्मभीरु वि.** (तत्.) धर्म के भय से जो अधर्म या दूषित कार्य करने में डरता हो प्रयो. मोहनबाबू धर्मभीरु व्यक्ति हैं वे चोरी कर ही नहीं सकते।

**धर्मभूत पुं.** (तत्.) 1. धर्मपरायण व्यक्ति, धर्मनिष्ठ व्यक्ति 2. राजा।

**धर्मभ्रष्ट वि.** (तत्.) धर्म से गिरा हुआ, धर्मच्युत।

**धर्मभाता पुं.** (तत्.) 1. धर्म के नाते भाई 2. गुरुभाई 3. गुरु पुत्र।

**धर्ममत पुं.** (तत्.) धर्म के रूप में मान्य मत या सम्प्रदाय।

**धर्ममति स्त्री.** (तत्.) दे. धर्मबुद्धि।